हाउस के आधार पर →

इको क्लब का गठन

एजेण्डा

दिनाँक 08/08/2024

महानिदेशक, स्कूल शिक्षा एवं राज्य परियोजना निदेशक कार्यालय समग्र शिक्षा उ०प्र० के अन्तर्गत भारत सरकार के पत्रांक-8-21/2023-EE.12 दिनांक 17 नवम्बर 2023 के माध्यम से विद्यालयों में इको क्लब की गतिविधियों के आयोजन हेतु प्रत्येक सरकारी विद्यालय में इको क्लब का आयोजन किया जाता है।

राज्य सरकार के सत्र-2024-25 में आदेश क्रमांक पत्रांक: गुण०वि०/इको क्लब 3526/2024-25 दिनाँक 22 जुलाई 2024 के अनुसार कल दिनाँक 09/08/2024 को प्रा०वि० खरगातीपुर, ब्लॉक-सिढ़पुरा, जनपद-कासगंज में इको क्लब का गठन किया जायेगा। अतः सभी शिक्षकों अभिभावकों, छात्र-छात्राओं की उपस्थिति अनिवार्य एवं प्रार्थनीय है।

Vijay Lakshmi
प्रधानाध्यापक
प्रा० वि० खरगातीपुर
ब्ला० सिढ़पुरा (कासगंज)

गठन की कार्यवाही

Date 09/08/2024
Page No.

"Eco Clubs for Mission Life"

आज दिनाँक 09 अगस्त 2024 दिन शुक्रवार को प्रा०वि० खरगातीपुर में इको क्लब का गठन किया गया। क्लब का नेतृत्व प्रधानाध्यापिका श्रीमती विजय-लक्ष्मी जी द्वारा किया गया। सभी छात्र-छात्रों, शिक्षक-शिक्षिकाओं एवं अभिभावकों की उपस्थिति में इको क्लब का गठन निम्न प्रकार किया गया।

श्रीमती विजयलक्ष्मी → प्रभारी शिक्षक (प्रधानाध्यापक) (क्लब प्रभारी)

श्रीमती द्विवकलगुप्ता (नोडल शिक्षक)/ हरित शिक्षक

कक्षा 1	कक्षा 2	कक्षा 3	कक्षा 4
पृथ्वी सदन	जल सदन	वायु सदन	आकाश सदन
	कक्षा-5 अग्नि सदन		

क्लब प्रभारी → श्रीमती विजय लक्ष्मी, नोडल/हरित शिक्षिका → श्रीमती ट्विंकल गुप्ता, कैप्टन - गगन, छात्र कक्षा-5

इको क्लब में 5 सदन बनाए गये।

कक्षा-1	कक्षा-2	कक्षा-3	कक्षा-4	कक्षा-5
पृथ्वी सदन	जल सदन	वायु सदन	आकाश सदन	अग्नि सदन
कक्षा समन्वयक	कक्षा समन्वयक	कक्षा समन्वयक	कक्षा समन्वयक	कक्षा समन्वयक
श्रीमती विजय लक्ष्मी (इं०प्र०अ०)	श्रीमती रजनी जादौन (स०अ०)	श्रीमती ट्विंकल गुप्ता (स०अ०)	श्रीमती राम श्री (शि०मि०)	श्रीमती नीलम (शि०मि०)
सदस्य	सदस्य	सदस्य	सदस्य	सदस्य
बालक	बालक	बालक	बालक	बालक
विकास	अंश	काव्यां	अनुभव	हर्षित
अंशू	रितिक	अखिल	आर्यन	अभिषेक
देवेश	आयुष	अनिकेत	लव	रजनीत
दुर्विजय	अभिनाश	रितिक	अभय	आशीष
	दिव्यांशु	बादल	आरूष	शिवम भाई
				अंश
बालिका	बालिका	बालिका	बालिका	बालिका
पायल	शिवान्या	काव्या	स्वाती	शालू
आस्था	शिवांगी	गरिमा	प्राची	स्वाधी
अन्जू	श्रद्धा	गौरी	अंशिका	मनु
स्वाती	परी	प्राची	जानवी	पायल
	मैना		तनु	रंजल
Vijaylakshmi 09/08/2024	Rjnee 09-08-2024	Twinkal Gupta 09-08-24	रामश्री 09/08/24	Neelam 09/08/24

Vijaylakshmi
प्रधानाध्यापक
प्रा० वि० खरगातीपुर
वि० क्षे० सिढ़पुरा (कासगंज)

इको क्लब गठन की सम्पूर्ण प्रक्रिया

पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए स्कूलों में इको क्लब का गठन किया जाता है। इसके अन्तर्गत पेड़ लगाना, स्वच्छता अभियान, प्राकृतिक संरक्षण, बागवानी आदि के प्रति बच्चों को जोड़ा जाएगा। यह छात्रों को एक दूसरे के साथ सहयोग करने और अधिक से अधिक सीखने का मौका प्रदान करता है। इसे अपने विद्यालय के पर्यावरण को बेहतर बनाने के लिए सक्रियता का माहयम बनाना है।

इको क्लब के उद्देश्य

यह छात्रों का एक समूह होता है जो पर्यावरण के संरक्षण के लिए जागरूकता लाने, समस्याओं को चिन्हित करने एवं उनके निदान हेतु गतिविधियों में अपनी भागीदारी करते हैं। इको क्लब के गठन के अन्तर निहित उद्देश्यों में बच्चों को प्रकृति और पर्यावरण के बीच ले जाना एवं पर्यावरण को कक्षा में पठन-पाठन पाठ्यक्रम और गतिविधियों में शामिल करना प्रमुख है। विद्यालय में इको क्लब पर्यावरण शिक्षा गतिविधियों का केन्द्र होता है। जो इको क्लब के सदस्यों, छात्रों में उनके समझ और कौशल को बढ़ाकर उन्हें अपने आसपास के पर्यावरण के प्रति जागरुक और जिम्मेदार बनाता है।

स्कूल में इको क्लब का कार्य

1. विद्यालय को स्वतः या समुदाय के सहयोग से घेराबंदी हेतु समाप्ति कराना
2. विद्यालय में बिजली का प्रभावी उपयोग, LED बल्ब और सौर लैंप का प्रयोग तथा आवश्यकता नहीं रहने पर बिजली के सारे स्विच बंद कर सुनिश्चित करना है।
3. इको क्लब के सदस्यों को उनके कार्य एवं दायित्व के प्रति संवेदनशील बनाना हो,
4. इको क्लब के सदस्यों द्वारा स्थानीय पौधों एवं बीज की जानकारी एवं उनके प्रयोग की जानकारी प्राप्त करना एवं आवश्यकता के अनुसार बीजों को विद्यालय परिसर में लगाने हेतु संरक्षित करना।
5. विद्यालय परिसर में बगीचा किचेन गार्डेन विकसित करना एवं उसकी सुरक्षा करना।
6. छात्रों को वृक्षारोपण द्वारा अपने आसपास के पर्यावरण को हरा-भरा रखने और स्वच्छ रखने के लिए प्रोत्साहित करना।
7. स्थानीय जानकारी के आधार पर जल संरक्षण की शुरुआत करना।

8. विद्यालय के विज्ञान गार्डन में लगाए गए पौधों के सिंचाई हेतु प्रयोग में लाए जाने वाले वाटर चैनल का निर्माण करना।

9. जल संरक्षण की भावना को प्रोत्साहित करना तथा छात्रों को पानी के दुरुपयोग को रोकने के लिए प्रेरित करना।

10. सदस्यों के साथ मिलकर मौसमी पौधों को विद्यालय एवं घर के किचन गार्डन में लगाने हेतु प्रोत्साहित करना। पर्यावरण दिवस एवं पृथ्वी दिवस के अवसर पर रैली आदि निकालना एवं इको क्लब सदस्य द्वारा विशेष रूप से पर्यावरण से संबंधित प्रोजेक्ट वर्क करना।

11. इको क्लब के सदस्यों द्वारा स्थानीय जल स्रोतों की मैपिंग करना एवं उसके अनुसार उचित पौधारोपण की रणनीति बनाना।

12. इको क्लब के सदस्यों द्वारा अवशेष पदार्थों को गड्ढे में संग्रहण कर खाद बनाने में उपयोग करना।

13. छात्र-छात्राओं को जागरूक करना तथा कचरे को जलाने से रोकने हेतु प्रेरित करना जो स्वास रोग का कारण बनता है।

14. छात्र-छात्राओं को प्लास्टिक के बैग के उपयोग को कम करने एवं सार्वजनिक स्थानों पर न फेंकने के लिए संवेदनशील बनाना ताकि नल और सीवर को अवरोध होने से बचाया जा सके साथ ही मच्छरों के लिए प्रजनन स्थल प्रदान करने से बचा जा सके।

15. प्रश्नोत्तरी निबंध पेंटिंग प्रतियोगिताएं रैलियाँ नुक्कड़ नाटक आदि जैसे जागरूक कार्यक्रमों का आयोजन करना जिनमें विभिन्न पर्यावरणीय मुद्दों के बारे में शिक्षा दी जा सके और बच्चों को बेकार पड़े कचरे से उनका पुनः उपयोग और उससे उत्पन्न उत्पादों की तैयारी के बारे में सिखाया जा सके।

16. जीव संरक्षण क्षेत्र पार्क वन क्षेत्र में प्रकृति प्रदर्शनी का आयोजन करना ताकि जैव विविधता के बारे में जानकारी हो सके।

विद्यालय में गठित इको क्लब से लाभ

इको क्लब के सदस्य बनकर छात्र अपने पर्यावरण और समुदाय के लिए सक्रिय योगदान देते हैं। इसमें शामिल होने से पहले छात्र अपने जीवन में पर्यावरण संरक्षण के महत्व को समझते हैं और इसे अपने दैनिक जीवन शैली में शामिल करते हैं।

इको क्लब सदस्यों को अधिक से अधिक सीखने और ज्ञान का विस्तार करने का मौका प्रदान करता है।

इको क्लब के माध्यम से छात्र अपने विद्यालय के समूह के साथ मिलकर पर्यावरण संरक्षण के लिए साझा क्रियाएं आयोजित करते हैं।

इको क्लब के सदस्य बनने पर इकोलॉजी और पर्यावरण संरक्षण के लिए सक्रीय भागीदारी और सहयोग का मौका मिलेगा। इससे ज्ञान बढ़ेगा और अपने विद्यालय और समुदाय के लिए एक सक्रीय बदलावकारी बनेंगे।

शपथ ग्रहण समारोह

मैं अनुभव शपथ लेता / लेती हूं कि मैं इको क्लब बाल कैबिनेट के प्रधानमंत्री पद के लिए चुने जाने पर मैं अपने कर्तव्यों का निष्ठा और ईमानदारी से पालन करूंगा / करूंगी मैं अपने स्कूल और समाज के प्रति वफादार रहूंगा / रहूंगी और उनके हितों की रक्षा करूंगा / करूंगी।

मैं अपने पद की गरिमा और अधिकार का उपयोग निष्पक्ष और स्वच्छ तरीके से करूंगा / करूंगी

मैं अपने साथी छात्रों के साथ मिलकर काम करूंगा / करूंगी और हमारे स्कूल को बेहतर बनाने के लिए प्रयास करूंगा / करूंगी

हस्ताक्षर छात्र / छात्रा — अनुभव

अनुभव	अभिषेक	Twinkal Gupta 09/08/2024
गगन	मनु	रामश्री 09/08/2024
स्वाती	आशीष	Neelam 09/08/2024
हर्षित	स्वाधी	[illegible] 09/08/2024
शालू	माही गौतम	Vijay Lakshami
आर्यन		

प्रधानाध्यापक
प्रा0 वि0 खरगालीपुर
वि0क्षे0 सिढ़पुरा (कासगंज)